भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 544

(दिनांक 21.07.2022 को उत्तर देने के लिए)

वैश्विक प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक

544. श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वैश्विक प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत का स्थान 2020 में 142 से गिरकर 2021 में 150 हो गया है;

(ख) यदि हां, तो देश में प्रेस की स्वतंत्रता सूचकांक में गिरावट आने का क्या कारण है;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार कितने पत्रकारों/मीडिया कर्मियों को गिरफ्तार किया गया है;

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार कितने पत्रकारों/मीडिया कर्मियों की हत्या हुई है; और

(ड.) राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा पत्रकारों पर हमलों के संबंध में विशिष्ट आंकड़ों का रिकॉर्ड नहीं रखे जाने के क्या कारण हैं?

उत्तर

सूचना और प्रसारण; और युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) और (ख): विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक एक विदेशी गैर-सरकारी संगठन, "रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स" द्वारा प्रकाशित किया जाता है। सरकार इसके विचारों और देश की रैंकिंग का समर्थन नहीं करती है और अनेक कारणों से इस संगठन द्वारा निकाले गए निष्कर्षों से सहमत नहीं है, जिसमें नमूने का बहुत छोटा आकार, लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों को बहुत कम या कोई महत्व नहीं देना, संदिग्ध और गैर पारदर्शी कार्यप्रणाली को अपनाना आदि शामिल हैं।

(ग) से (ड.): 'पुलिस' और 'लोक व्यवस्था' भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत राज्य सूची के विषय है और राज्य सरकारें अपनी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के माध्यम से अपराधों की रोकथाम, पता लगाने और जांच करने तथा अपराधी पर मुकदमा चलाने के लिए उत्तरदायी हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) पत्रकारों/मीडियाकर्मियों के संबंध में अलग से आंकड़े नहीं रखता है।

******